225वें सत्र के समापन पर सभापति का वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

आज राज्य सभा का 225वां सत्र समाप्त हो रहा है। इस सत्र के दौरान सभा ने उपसभापति श्री के. रहमान खान सहित 58 सदस्यों को विदाई दी। सत्र के दौरान दो नाम निर्देशित सदस्यों सहित 61 नए सदस्य सभा में शामिल हुए हैं। नए सदस्यों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

हमारे एक माननीय वर्तमान सदस्य, श्री बी.बी. तिवारी का 25 अप्रैल, 2012 को निधन हो गया। उनकी मृत्यु पर संवेदना व्यक्त करने के बाद, सभा उनकी स्मृति में एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

12 मार्च, 2012 को आदरणीया राष्ट्रपति ने संसद की दोनों सभाओं की संयुक्त बैठक को संबोधित किया जिसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इस सत्र के दौरान विनियोग विधेयकों सहित रेल बजट और सामान्य बजट, और वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए वित्त विधेयक पर चर्चा हुई। इस सत्र के दौरान, कुल मिलाकर, 22 सरकारी विधेयक पारित किए गए अथवा लौटाए गए। तीन मंत्रालयों के कार्यकरण पर चर्चा हुई। 'सेवा के दौरान पदोन्नति में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण', 'देश में खाद्यान्नों के भंडारण की समस्या' और 'पाकिस्तान के साथ संबंधों को सामान्य बनाने तथा पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन' से जुड़े मुद्दों सहित तीन मामलों पर अल्पकालिक चर्चा

हुई। इसके अतिरिक्त, दो ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं भी ली गईं।

इस सत्र की एक विशिष्ट बात दो परिनियत प्रस्तावों, एक ऐसी कार्यप्रणाली जिसका काफी लम्बे समय के बाद प्रयोग किया गया, पर चर्चा थी। इसी प्रकार, 12 अल्पसूचना प्रश्न और दो आधे घंटे की चर्चाएं भी ली गईं। इससे विभिन्न संसदीय प्रावधानों का प्रयोग करने में सदस्यों की सतर्कता के बारे में संकेत मिलता है। बड़ी संख्या में विशेष उल्लेख किए गए और सभापीठ की अनुमति से कई अत्यधिक महत्वपूर्ण मामले उठाए गए। मैंने महासचिव से सत्र के संबंध में सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा है। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि इस सत्र के दौरान सभा ने अपनी इष्टतम क्षमता के अनुसार कार्य किया। थोड़ा समय व्यवधान में नष्ट हुआ; अनेक तारांकित प्रश्न नहीं लिए जा सके। हमें असहमति, विरोध, उत्तेजना और व्यवधान के बीच विभेद करने के संबंध में आत्मविश्लेषण करने की आवश्यकता है।

मैं इस अवसर पर सभा के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं तथा माननीय सदस्यों द्वारा सभा के समग्र कार्यकरण में उनके द्वारा दिये गये सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ। मैं तत्कालीन उपसभापति, उपसभाध्यक्षों के पैनल में शामिल सदस्यों तथा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दी गई सहायता और सहयोग के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ।